

09-9-2022 आज यह पत्रिका एनपीएच  
के मुख्यालय पर राहते विदुषद्वय  
राष्ट्रीय लोक अदालत बेंच के समक्ष  
बेंच माननीय ऊपर जिला एवं सेशन  
न्यायाधीश मुख्यालय में खड़ी गई

Not process  
किसी  
का नहीं

धर्मीय वही ही पहचान उन्हे वही श्री ईश्वर  
आदक रूठकोडेर द्वारा की गई। धर्मीय के लक्षण  
पर सुना गया। धर्मी ने निकलन किया वह अपने  
धर्म के आगे नहीं चपकना चाहता है। अतः उसे  
असह्यत में निरुत्थरण इत नोट प्रेस में स्वारीज  
कर दिया जावे।

धर्मी का धर्मना फल स्वीकार किया जा रहा है।  
पत्रावली बढ़ाव की बात प्रेस में स्वारीज  
की जाती है। पत्रावली के लक्ष्यमात्र देखते  
नम्बर से कम हों। बढ़ाव नहीं होखित  
जिन्ना ठेक अण्डार हो। सुनाया गया।

उपस्थित अधिकारी  
मुझवर (अलवर) राज०